स्थापित : 13 अप्रेल 1987

RNI NO. : RAJHIN/2002/9625

शहीद जगत

राष्ट्रीय भावना एवं सामाजिक जनचेतना जागृत करने वाली हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 15 अंक : 5 | कोटा, 15 मई 2017 | पृष्ठ : 4 | मूल्य 2 रूपये

डी ए वी सेन्टेनरी पब्लिक स्कूल जयपुर में

समर्पण–दिवस,2017 –एक भव्य आयोजन

जयपुर। त्यागमूर्ति, शिक्षाविद्, महात्मा हंसराज जी का जन्मोत्सव समर्पण–दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह कार्यक्रम डी ए वी सेन्टेनरी पब्लिक स्कूल, वैशाली नगर, जयपुर में आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा व डी ए वी कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम में डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति व आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के प्रधान सर्वश्री पूनम सूरी जी, श्रीमती मणि सूरी जी, डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति नई दिल्ली के महामन्त्री एस के शर्मा, सहमन्त्री सत्यपाल आर्य के साथ ही डॉ. वी सिंह जी, डॉ. श्रीमती निषा पेषिन व श्रीमती जुनेश काकरिया, निदेशक पब्लिक स्कूल्स, डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, नई दिल्ली, ने कार्यक्र की शोभा बढाई।

तपोनिधि महात्मा हंसराज जयन्ती के इस पावन समारोह के मुख्य अतिथि पद को अलंकृत किया देवभूमि हिमाचल प्रदेष के माननीय राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने। उन्होंने अपने सारगर्भित सम्बोधन में कहा कि आर्य समाज और डी ए वी संसार का कायाकल्प कर सकते हैं। विदित हो कि आचार्य देवव्रत जी डी ए वी प्रबन्धन द्वारा संचालित दयानन्द ब्राह्म महाविद्यालय, हिसार के सुयोग्य स्नातक हैं। इस अवसर पर उन्हें शॉल व श्रीफल से सम्मानित किया गया।

शिक्षा व समाज सेवा के पुरोधा सादगी और सहिष्णुता के प्रतीक महात्मा हंसराज जी के जन्मोत्सव समारोह की अध्यक्षता की गरिमा बढाते हुए पद्मश्री डॉ0 सर्वश्री पूनम सूरी जी ने मुख्य अतिथि आचार्य देवव्रत जी व अन्य वरेण्य अतिथिवृन्द के साथ वैदिक मन्त्रोच्चारण के मध्य दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तदुपरान्त उपस्थित विषाल जनसमूह ने मंगलाचरण व डी ए वी गान के साथ समारोह को गति व गरिमा प्रदान की।

''नहि ज्ञानेन सदृषं पवित्रमिह विद्यते'' योगेष्वर कृष्ण के इस यथार्थ को मूर्तरूप देते हुए ज्ञानयज्ञ के होता विद्वानों और संन्यस्थवृन्द का सभा प्रधान

शेष पृष्ठ दो पर

मासिक

शहीद जगत

कोटा, 15 मई 2017

सम्पादकीय

पारदर्शिता का चुनाव

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर छाए संदेह के बादल दूर करने के लिए राजनीतिक दलों के साथ निर्वाचन आयोग की बैठक का नतीजा यह निकला कि आगामी चुनावों में ईवीएम से मतदान के दौरान वीवीपीएटी यानी वोटर वेरीफिएबल पेपर ऑडिट ट्रायल तकनीक भी काम में लाई जाएगी। यह स्वागत-योग्य है। बैठक बुलाने की जरूरत आयोग को इसलिए महसूस हुई, क्योंकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद से कई राजनीतिक दल ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहे हैं। उनका आरोप है कि ईवीएम में गड़बड़ी करके नतीजों को प्रभावित किया गया। यों ईवीएम पर पहले भी कई बार सवाल उठे थे, लेकिन ऐसा विवाद पहले कभी नहीं उठा था। विवाद कई अदालतों में भी पहुंच गया। आयोग ने एक बार फिर दोहराया है कि हाल में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान कोई गड़बड़ी नहीं हुई, ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है। पर बहुत-सी पार्टियां अब भी इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं हैं। अलबत्ता वीवीपीएटी के इस्तेमाल के फैसले का सबने स्वागत किया है। ईवीएम से जुड़ी एक प्रिंटरनुमा मशीन में, वोट डालते ही, एक पर्ची निकलती है जो मतदाता द्वारा चुने गए उम्मीदवार और पार्टी का निशान दिखाती है; इसी को वीवीपीएटी कहते हैं। यह पर्ची कुछ देर के लिए दिखती है जिससे मतदाता अपने वोट की पुष्टि कर ले, उसके बाद यह सीलबंद डिब्बे में गिर जाती है जिसे वोटों की गिनती के समय ही खोला जा सकता है। आयोग के फैसले के मुताबिक यह पर्ची सात सेकंड तक दिखेगी, जबकि अधिकतर राजनीतिक दल चाहते हैं कि यह अवधि पंद्रह सेकंड की हो। संदेह या विवाद की सूरत में ईवीएम में पड़े वोटों और पर्चियों का मिलान मददगार साबित होगा। अमेरिका में भी जिन राज्यों में ईवीएम से मतदान होता है वहां वीवीपीएटी तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। आयोग ने राजनीतिक दलों को यह भी सूचित किया कि पिछले विधानसभा चुनावों में गड़बड़ी की शंका को पूरी तरह दूर करने के लिए वह ईवीएम को हैक करने का एक मौका देगा; राजनीतिक दलों को खुली चुनौती दी जाएगी कि वे अपने तकनीकी महारथियों के साथ आएं और ईवीएम हैक करके दिखाएं। लेकिन आयोग ने इसकी कोई तारीख अभी घोषित नहीं की है। बहरहाल, आगामी हर चुनाव में वीवीपीएटी के इस्तेमाल का फैसला हो जाने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, पीएमके जैसी कई पार्टियां संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने बैलेट पेपर की पुरानी व्यवस्था की तरफ लौटने की मांग उठाई है। लेकिन क्या ऐसा करना उचित होगा, और ऐसा हुआ तो किसका भला होगा? सब जानते हैं कि बैलेट पेपर वाली मतदान प्रणाली में मतपत्र फाड़ने से लेकर बूथ कब्जे की कितनी घटनाएं होती थीं। आयोग की सबसे बड़ी चिंता बूथ कब्जा रोकने की होती थी और इसके लिए कुछ इलाकों में तो भारी सुरक्षा बल तैनात करना पड़ता था। मतदान में, और फिर मतों की गिनती में भी काफी समय लगता था। ईवीएम के इस्तेमाल ने मतदान और मतगणना, दोनों की रफ्तार तेज कर दी। ईवीएम ने बूथ कब्जे से भी निजात दिलाई है, जो कि सबसे ज्यादा समाज के कमजोर तबकों के ही हक में गया है। लिहाजा, पीछे लौटने के बजाय ईवीएम को ही संदेह से परे बनाने के उपाय किए जाने चाहिए।

आर्य समाज, पतंजलि ने बंदियों को बांटे खाद्यान्न पैकेट

कोटा। पतंजलि योग समिति व आर्य समाज विज्ञान नगर की ओर से मंगलवार को सेन्ट्रल जेल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा, जेएस दुबे, भारत स्वाभिमान के जिलाध्यक्ष विवेक गर्ग, पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी प्रदीप शर्मा ने जेल में बंदियों को जेल अधीक्षक सुधीर कुमार पूनिया के साथ खाद्यान्न बिस्किट के पैकेट वितरित किए। वहीं जिला सभा की ओर से सेन्ट्रल जेल के पुस्तकालय में 5 सत्यार्थ प्रकाश जेल अधीक्षक सुधीर कुमार पूनिया को भेंट किए। जिसे पढकर जेल के बंदी अपना जीवन सुधार सकते हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ जेएस दुबे ने ईश वंदना के भजन से किया। आर्य समाज के जिला प्रधान अजुनदेव चड्ढा ने कहा कि अधिकांश अपराध के नशे के कारण हो रहे हैं। नशे की प्रवृत्ति को त्यागें, अपनी दुष्प्रवृत्ति को छोड़कर आत्ममचिंतन करें। जेल से बाहर जाएं तो नया जीवन शुरू करें। भारत स्वाभिमान के जिला संयोजक विवेक गर्ग ने जेल में सृजनात्मक कार्य करने व पस्पर सहयोग करने का आव्हान किया। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी प्रदीप शर्मा ने चरित्र निर्माण पर जोर दिया। जेल अधीक्षक सुधीर कुमार पूनिया ने कहा कि अपराध बोध हो जाता है तो जीवन में सुधार आ जाता है। जीवन को सुधार की ओ से अग्रसर कर अपने जीवन मे प्रायश्चित किया जा सकता है। उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि आर्य समाज के द्वारा हमेशा सेवा कार्य किए जाते रहे हैं। यह अच्छी परंपरा है।

आर्य समाज ने बंधे प्यासे पक्षियों के लिए परिण्डे

कोटा। आर्य समाज की ओर से विज्ञान नगर आर्य समाज प्रांगण पर गर्मी से प्यासे पक्षियों को निजात दिलाने के लिए केएल दिवाकर के नेतृत्व में मंगलवार को पेडों पर परिण्डे बांधे। इस अवसर पर आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि आर्य समाज द्वारा शहर में अनेक स्थानों पर परिण्डे बांधे गए हैं। यह अभियान लगातार जारी रहेगा। मूक प्राणियों के लिए परिण्डे में नियमित पानी भरने के लिए सभी के द्वारा संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जेएस दुबे, राकेश चड्ढा, चन्द्रप्रकाश भारद्वाज, बृजबाला दौलतानी, रीटा गुप्ता, उषा गर्ग समेत कईं लोग उपस्थित थे।

शेष पृष्ठ एक का

समर्पण दिवस-2017...

व पुनीत परम्परा के प्रणेता पद्मश्री डॉ0 पूनम सूरी जी ने चरणवन्दनापूर्वक अभिनन्दन किया। भारत गणराज्य के महामहिम गणाधिपति श्रीमान प्रणव मुखर्जी ने माननीय प्रधान जी नानाविध जनहितकारी योजनाओं को सराहते हुए प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया तदर्थ कृतज्ञ डी ए वी संगठन व आर्य जगत् ने प्रषस्ति प्रस्ततिपूर्वक सम्मान प्रदान किया। अत्यन्त विशाल व भव्य मंच के मध्य से जव पद्मवत् पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी प्रोच्च हुए तो अपार जन समूह की करतल ध्वनि से चतुर्दिक् गुंजायमान हो उठी। इस अप्रत्यासित सम्मान से अभिभूत हो आर्यरत्न डॉ0 पूनम सूरी ने कहा कि यथार्थ में सम्मान और अवॉर्ड आप सबका है, मैं तो केवल माध्यम हूॅ। उन्होंने यह भी कहा कि आर्य समाज और डी ए वी समाजरूपी सीप के दो पुट हैं। इसी अवसर पर डी ए वी संस्थाओं में अध्ययनरत उन सभी मेधावी छात्र-छात्राओं, कर्मठ प्राचार्यो व समर्पित सदस्यों को सर्वश्री पूनम सूरी के कर-कमलों द्वारा सम्मानित किया गया, जिन्होंने शैक्षणिक व सह शैक्षणिक गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्षन द्वारा संस्था का गौरव वर्धन किया। सम्मान के रूप में सभी मेधावी छात्रों को प्रमाण-पत्र एवं धनराषि भेंट की गई। इस अवसर पर उनके अभिभावकगण भी अपनी उपस्थिति से स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहे थे।

22 अप्रैल, शनिवार को कार्यक्रम का शुभारम्भ अपराह्न महायज्ञ के साथ हुआ, जिसमें श्रद्धेय श्री पूनम सूरी जी ने सपत्नीक मुख्य यजमान के रूप में वेद की पवित्र ऋचाओं से आहुतियां प्रदान की तथा डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, नई दिल्ली से समागत अतिथिगण एवं क्षेत्रीय निदेशकगण, प्राचार्यवृन्द, शिक्षकगण, अभिभावकजन व भारी संख्या में आर्य जन सम्मिलित हुए। यज्ञ के ब्रह्मा डॉ. प्रमोद कुमार योगार्थी जी थे। यज्ञोपरान्त मुख्य यजमान श्रीमान् पूनम सूरी जी ने यज्ञ में सम्मिलित सभी यज्ञ-प्रेमी जनों पर पुष्प-वर्षा कर शुभकामनाएं दीं। अन्त में, सभी विद्वज्जनों ने मुख्य यजमान समेत सभी याजकों पर पुष्पवर्षा कर मंगल कामनाएं कीं। तदन्तर शान्तिपाठ के उपरान्त यज्ञप्रेमी श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में यज्ञशेष ग्रहण किया।

सर्वेष्टि महायज्ञ के पश्चात् उपस्थित सभी जन मुख्य पाण्डाल में एकत्रित हुए। विद्यालय के विशाल क्रीडांगन में निर्मित विशाल पाण्डाल व मंचीय सज्जा की छटा देखते ही बनती थी। इस कार्यक्रम का आयोजन स्थल जिज्ञासु व सुधी श्रोताओं से खचाखच भरा हुआ था, जिसमें गुलाबी नगर जयपुर के गणमान्य आर्य सभासद, अभिभावकजनों के साथ-साथ लोकायुक्त राजस्थान सरकार, एस.एस. कोठारी एवं पूर्व मुख्य सचिव राजस्थान सरकार सहित अनेक आई.ए.एस., आई.पी.एस. व आर.ए.एस. अधिकारियों की उपस्थिति थी। राजस्थान डी ए वी सस्थाओं के सदस्य, बगरू, नींदड व खातीपुरा ग्राम आदि स्थानों से अनेकों की संख्या में पधारे लगभग 8000 से भी अधिक श्रद्धालु आर्यजनों ने कार्यक्रम की शोभा बढाई।

समारोह का आकर्षण का केन्द्र थी महात्मा हंसराज के जीवन पर आधारित संगीतमय नृत्यनाटिका, जिसमें डी.ए.वी. सेन्टेनरी पब्लिक स्कूल वैषाली नगर, जयपुर के 500 व डी ए वी कोटा के 300 छात्रों ने अपनी भंगिमाओं व आकर्षक मुद्राओं के माध्यम से शान्त, रौद्र व हास्य आदि रसों को अत्यन्त कौषल के साथ प्रस्तुत करते हुए महात्मा हंसराज को भावांजली प्रस्तुत की।

सर्वप्रथम विद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक प्राचार्य अशोक कुमार शर्मा, प्रधान, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, राजस्थान, क्षेत्रीय निदेशक, एम.एल. गोयल, डॉ0 (श्रीमती) इन्दु तनेजा, प्रबन्धिका आयोजक विद्यालय ने मान्य अतिथिगण का पुष्पगुच्छों से हार्दिक अभिनन्दन किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शकवृन्द ने नाटिका के सजीव मंचन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। नाटिका की पटकथा व संवाद लेखन विद्यालय के अजय ठाकुर ने किया। उदय साहा ने अपने सुदीर्घ अनुभव व परिमार्जित दिशा निर्देशन से इसे गुणवत्ता प्रदान कर जीवन्त बनाया।

अपने सुदीर्घ अनुभव व मूल्यवान मार्गदर्शन से कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती निशा पेशिन, निदेष्किा डी ए वी सी ई ए, डॉ0 वी सिंह निदेशक, पब्लिक स्कूल्ज व आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के महामंत्री एस.के. शर्मा ने इस सम्पूर्ण कार्यक्रम को भव्य व जीवन्त बनाने में सूत्रधार की भूमिका का निर्वहन किया। प्राचार्य अशोक कुमार शर्मा ने समर्पण दिवस को सफल व चिरस्मरणीय बनाने की समस्त योजनाओं कार्यक्रम में परिणत करने अपने उच्च प्रबन्धन कौषल का प्रयोग किया।

अन्त में, शान्तिपाठ के साथ भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ तथा सभी आगन्तुक अतिथियों ने मिलकर ऋषिलंगर में समर्पण महायज्ञ के प्रसाद को ग्रहण किया।

पतंजलि योग समिति व आर्यसमाज ने बांटे बिस्कुट के पैकेट

कोटा। पतंजलि योग समिति व आर्यसमाज द्वारा पुरानी सब्जीमण्डी चौराहे पर नागपाल हार्डवेयर के सामने आमजन को बिस्कुट के पैकेट वितरित किये गये।

आर्यसमाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने बताया कि हरीष नागपाल, राणा माधवानी, राजीव आर्य के साथ बिस्कुट के पैकेट बांटना प्रारंभ किया तो महिला, पुरूषों, बच्चों की भीड़ लग गई। लोग अपनी गाड़ियों से उतर कर भी बिस्कुट के पैकेट लेने आए।

भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी विवेक गर्ग ने बताया कि हरिद्वार में स्वामी रामदेव महाराज ने प्रसाद के रूप में यह बिस्कुट खाद्यान आदि सामग्री आमजन में वितरण के लिए भेजी है।

योग शिविर में दिया नशामुक्ति का संदेश

योग साधकों ने लिया नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प

कोटा, 16 अप्रेल। वैशाखी पर्व से प्रारम्भ पतंजलि किसान सेवा समिति कोटा के तत्वावधान में पंच दिवसीय योग षिविर में नषामुक्ति का संदेष दिया गया।

ग्राम खेड़ारसूलपुर कोटा में 13 अप्रेल से चल रहे योग शिविर में मुख्य अतिथि सिक्ख धर्माचार्य ज्ञानी गुरूनाम सिंह ने बैषाखी पर्व की महत्ता बतलाते हुए कहा कि गुरू गोविन्द सिंह जी तम्बाकू एवं नषे की अन्य वस्तुओं का व्यापक विरोध किया। नषा षरीर में वो ही काम करता है जो काम सूखी घाय में आग की चिंगारी करती है इसलिए नषे से बचना चाहिए।

कार्यक्रम में आर्यसमाज के वैदिक विद्वान आचार्य अग्निमित्र षास्त्री ने अपने उद्बोधन में कह कि कुसंग के फ्लस्वरूप लोगों में नषे की लत लग जाती है। षारीरिक नुकसान के साथ यह समाज में आपराधिक गतिविधियों को जन्म देता है। ध्यान, योग एवं प्राणायाम के द्वारा मन को नियंत्रण मे रखकर नषे की लत से मुक्ति पाई जा सकती है। इस अवसर पर आर्यसमाज जिला सभा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने नषे से होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों के समक्ष धूम्रपान से होने वाले नुकसान को बताने के लिए सफेद रूमाल लेकर बीड़ी पीने वाले व्यक्ति को बीड़ी का कष खींचकर धुंआ रूमाल पर छोड़ने को कहा। रूमाल पर बने काले छल्ले लोगों को दिखाये। जिसे देखकर उपस्थित लोगों ने हाथ उठाकर नषामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी अरविन्द पाण्डेय ने कहा कि योग हमारी दिनचर्या का अभिन्न अंग है। इससे न केवल विभिन्न बिमारियों से बचा जा सकता है अपितु यह सामाजिक विकास का पर्याय है।

इस अवसर पर भारत स्वाभिमान जिला संयोजक विवेक गर्ग, पतंजलि योग समिति के प्रदीप शर्मा, किसान सेवा समिति प्रभारी प्रहलाद सिंह, महिला प्रभारी मिथलेष गौड़, जिला योग प्रचारक अन्तिम आर्य, संगठन सचिव, वीरेन्द्र जीत सिंह रंधावा तथा आर्यसमाज खेड़ारसूलपुर के प्रधान रामनारायण, मंत्री बंषीलाल एवं हीरालाल गहलोत, कैलाष नामा और बड़ी संख्या में योग साधक पुरूश, महिलाएं, युवा तथा बच्चे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रारंभ योग, आसन, प्राणायाम से हुआ तथा समापन षांतिपाठ के साथ हुआ।

अस्पतालों में बांटे मरीजों एवं परिजनों को बिस्किट के पैकेट

कोटा। पतंजलि योग समिति एवं आर्यसमाज द्वारा कोटा के विभिन्न अस्पतालों में मरीजों एवं परिजनों को पतंजलि के बिस्किट के पैकेट बांटे गये। आर्यसमाज जिलासभा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा के नेतृत्व में पतंजलि के राज्य प्रभारी अरविन्द पाण्डेय, जिला प्रभारी प्रदीप षर्मा, भारत स्वाभिमान के प्रमुख विवेक गर्ग, आर्यसमाज तलवण्डी के प्रधान आर.सी. आर्य, आर्यसमाज विज्ञाननगर के पूर्व प्रधान जे.एस. दुबे, वेदमित्र वैदिक एवं राजीव आर्य ने पंजाबी समाज के लेखराज वधवा जे.के. लोन अस्पताल पहुंचकर मरीजों एवं उनके तिमारदारों को पतंजलि की ओर से बिस्किट के पैकेटों का वितरण किया।

इस अवसर पर जे.के. लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आर.के. गुलाटी ने कहा कि योग समिति एवं आर्यसमाज का सेवा का कार्य अनुकरणीय है। यह नरसेवा नारायण सेवा है।

इसके बाद आर्यसमाज एवं योग समिति के इस दल ने महाराव भीमसिंह अस्पताल स्थित कैंसर वार्ड में जाकर डॉ. आर.के. तंवर के नेतृत्व में मरीजों एवं परिजनों को बिस्किट के पैकेट वितरित किये। इस अवसर पर कैंसर वार्ड के प्रमुख डॉ. आर.के. तंवर ने कहा कि सेवा कार्यों के द्वारा समाज के साथ जुड़कर मानवता के हित में पतंजलि योग समिति एवं आर्यसमाज का यह कार्य प्रेरणादायक है। इस अवसर पर पतंजलि भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी विवेक गर्ग ने बताया कि बिस्किट के ये पैकेट स्वामी रामदेव की ओर से प्रसाद के रूप में उपलब्ध करवाये गये।

कच्ची बस्ती में बिस्किट के पैकेट बांटे

मानव सेवा ईश्वर कार्यः डॉ. विनय विद्यालंकार

कोटा। मानव सेवा ईश्वर की सेवा के समान है। हमें मानव सेवा के कार्यों को प्राथमिकता से और पूर्ण निष्ठर के साथ करना चाहिए। यह बात रविवार को उत्तराखण्ड आर्य समाज के प्रधान डॉ. विनय विद्यालंकार ने दादाबाड़ी तिराहे के पास स्थित कच्ची बस्ती में महिलाओं और पुरूषों को पतंजलि योग समिति व आर्य समाज जिला सभा की ओर से बिस्किट के पैकेट वितरित करते हुए कही।

आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि पतंजलि योग समिति व आर्य समाज द्वारा विभिन्न स्थानों पर पतंजलि योग संस्थान हरिद्वार से प्राप्त खाद्य सामग्री का अलग अलग स्थान पर प्रसाद के रूप में वितरण किया जा रहा है। स्थानीय निवासी श्रीमती नीलम ने पतंजलि योग समिति व आर्य समाज का आभार जताया। जलील अहमद ने इसे नेकी का कार्य बताया। इस अवसर पर भारत स्वाभिमान के जिला संयोजक विवेक गर्ग, आर्य प्रतिनिधि सभा के आरसी आर्य, मूलचंद आर्य, लालचन्द आर्य, राजीव आर्य समेत कई लोग मौजूद रहे।

आर्य वैवाहिक परिचय सम्मेलन

9 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित होगा

नई दिल्ली। सार्वदेषिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निदेषन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में आर्य परिवार युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन आर्यसमाज बाहरी रिंग रोड़ विकासपुरी नई दिल्ली में 9 जुलाई 2017 को प्रात: 10 बजे होना निष्चित हुआ है। यह जानकारी सम्मेलन के राष्ट्रीय संयोजक अर्जुनदेव चड्ढा व दिल्ली के संयोजक एस.पी. सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व हुए 17 सम्मेलनों के आषातीत एवं सार्थक परिणाम सामने आए हैं। आर्य परिवार परिचय सम्मेलनों को लेकर आर्य जनों में काफी उत्साह है। आर्य परिवारों से अनुरोध है कि अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के आर्य परिवारों से सम्बंध जोड़ने के लिए परिचय सम्मेलन में षीघ्र अतिषीघ्र पंजीकरण कराने का कश्ट करें।

पंजीकरण फार्म पूर्ण विवरण के साथ दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम 300 रूपये, का डिमाण्ड ड्राफ्ट संलग्न कर अथवा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के नाम एक्सिज बैंक खाता संख्या 910010001816166 करोल बाग षाखा में जमा कराकर रसीद फार्म के साथ भेजे। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15- हनुमान रोड़, नई दिल्ली-1 के पते पर कार्यालय में सम्मेल की तारीख से 15 दिन पूर्व भेज दें, ताकि प्रत्याषी का विवरण पंजीयन पुस्तिका में प्रकाषित किया जा सके।

पंजीकरण फॉर्म सभा की वेबसाईट www.thearyasamaj.org

पंजीकरण फार्म ऑनलाईन भी भर सकते हैं वेबसाईट: Matrimony.thearyasamaj.org

हाड़ौती के वयोवृद्ध आर्य समाजी मदनलाल गुप्ता छबड़ा निवासी का निधन

पूर्ण वैदिक रीति से हुआ दाह संस्कार, पुत्र यूएसए आर्यसमाज के पूर्व प्रधान डॉ. रमेश गुप्ता ने दी मुखाग्नि

कोटा। हाड़ौती के वयोवृद्ध आर्य समाजी मदनलाल गुप्ता छबड़ा निवासी का 29 अप्रेल को निधन हो गया।

श्रद्धांजलि सभा आदर्ष विद्या मंदिर छबड़ा में की गई। जिसमें सार्वदैषिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेष जी ने आत्मा की अमरता एवं निरन्तर यात्रा से मुक्ति का रास्ता योग बताया। मंच का संचालन करते हुए डॉ. बलवीर आचार्य रोहतक निवासी ने स्वर्गीय मदनलाल जी गुप्ता के विशय में अपने संस्मरण बताते हुए कहा कि वे सच्चे वैदिक धर्म के अनुयायी, उच्च कोटी के कवि, षायर और लेखक थे।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने अपने उद्बोधन में डॉ. रमेष गुप्ता सुपुत्र स्व. मदनलाल गुप्ता से निवेदन किया कि कोई सदा चलने वाला परोपकार का कार्य स्वर्गीय पिता की स्मृति में षुरू करें। जिसके लिए डॉ. गुप्ता ने तुरंत स्वीकृति दी एवं 35 लाख रू. के दान से आदर्ष विद्या मंदिर में कन्याओं के लिए भवन का निर्माण किया जायेगा।

कोटा से पधारे आर्य समाज के प्रसिद्ध कार्यकर्त्ता एवं जिला आर्य प्रतिनिधि सभा कोटा के प्रधान एवं राजस्थान के उपप्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने अपने भावों को व्यक्त करते हुए वैदिक मान्यताओं के अनुसार जीवात्मा के स्वरूप पर प्रकाष डाला। डॉ. अजय षास्त्री जवाहरलाल नेहरू विष्व विद्यालय दिल्ली, वरूण कुमार एवं इन्द्रजीत रोहतक, कोटा से डॉ. वेदप्रकाष गुप्ता, जे0एस. दुबे, आर.सी. आर्य, ष्योराज वषिश्ठ सभा में पधारे।

श्रद्धांजलि सभा में छबड़ा के आसपास के एवं कोटा के आर्यसमाजों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर स्व. मदनलाल जी की सुपौत्री प्रिया गुप्ता (अमेरिका) ने ईष्वर भक्ति के भजन प्रस्तुत किये जिससे सारा वातावरण भक्तिमय हो गया।

षांति पाठ के पष्चात स्वामी आर्यवेष जी, विनय आर्य, अर्जुनदेव चढ्डा तथा सभी महानुभावों की उपस्थिति में स्व. मदनलाल जी की अस्थियां एवं राख का विसर्जन श्रद्धांजलि सभा के पास स्थित पार्क में पांच गड्ढे खोदकर उनमें डाली गई तथा पांच वृक्ष लगाये गये। जिनको पोशित कर बड़ा करने की जिम्मेदारी गुप्ता परिवार ने ली। इससे जहां पर्यावरण षुद्ध रहेगा वहीं स्व. मदनलाल जी की स्मृति भी चिरस्थायी बनी रहेगी।

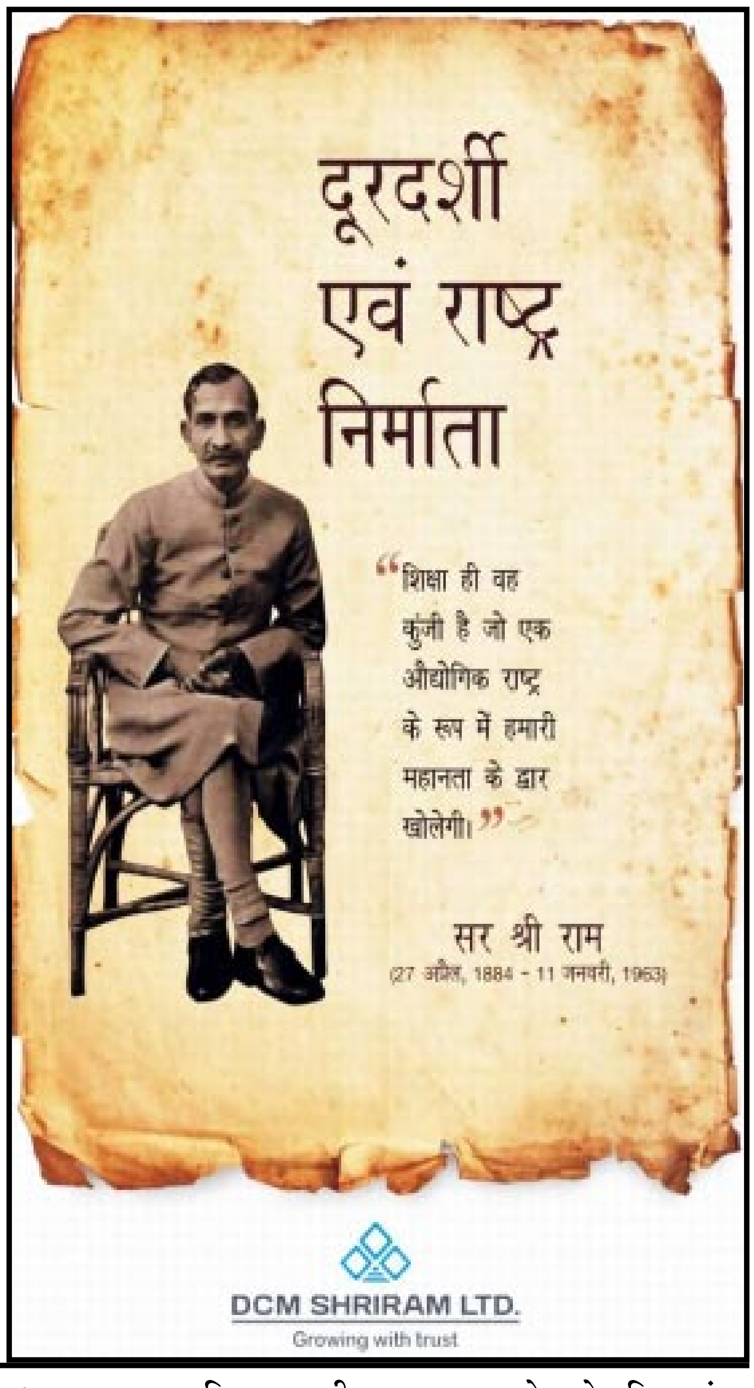

स्वामी, प्रकाशक एवं सम्पादक अर्जुन देव चड्ढा द्वारा मुद्रक मनोहर पारीक द्वारा जनधारणा प्रिंटर्स, 70 समाचार पत्र परिसर, महावीर नगर प्रथम, कोटा से मुद्रित एवं 'आर्यभवन' 4-प-28, विज्ञाननगर, कोटा-324005 से प्रकाशित। फोन: 0744-2422428। प्रबन्ध सम्पादक राकेश चड्ढा।